

कान्हा टाइगर रज़िर्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश के मंडला ज़िले के [कान्हा टाइगर रज़िर्व](#) में एक [बाघनि](#) मृत पाई गई।

मुख्य बिंदु

- **शव की खोज:**
 - वन अधिकारियों को कान्हा टाइगर रज़िर्व के परसनटोला बीट सथति मुक्की वन परकिषेत्र में दो वर्षीय बाघनि का शव मिला।
 - [राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण \(NTCA\)](#) के दशा-नरिदेशों और मध्य प्रदेश के मुख्य वन्यजीव संरक्षक के नरिदेशों के बाद अधिकारियों ने स्थल को सुरक्षति कर लिया और जाँच शुरू कर दी।
- **शवपरीक्षा (पोस्ट-मार्टम):**
 - वशिषज्ज वन्यजीव चकित्सकों की एक टीम ने पोस्ट-मार्टम किया।
 - अधिकारियों ने पुष्ट की क शरीर के सभी अंग सुरक्षति हैं तथा उन्होंने शकिार को मृत्यु का कारण मानने से मना कर दिया।
 - उन्हें संदेह है क बाघनि की मौत कसी अन्य बाघ के साथ क्षेत्त्र संघर्ष में हुई।
- **कान्हा टाइगर रज़िर्व:**
 - यह मध्य प्रदेश के दो ज़िलों- मंडला और बालाघाट- में 940 वर्ग किलोमीटर क्षेत्त्र में वसित है।
 - वर्तमान कान्हा क्षेत्त्र को दो अभयारण्यों, हालोन और बंजार में वभाजति किया गया था। वर्ष 1955 में कान्हा राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया और 1973 में इसे कान्हा टाइगर रज़िर्व बना दिया गया।
 - कान्हा राष्ट्रीय उद्यान मध्य भारत का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (National Tiger Conservation Authority- NTCA) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है।
- इसकी स्थापना वर्ष 2005 में टाइगर टास्क फोर्स की सफिराशों के बाद की गई थी।
- इसका गठन वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (जैसा क 2006 में संशोधति किया गया) के प्रावधानों के तहत किया गया था, ताक इसे नरिदष्टि की गई शक्तियों और कार्यों के अनुसार बाघ संरक्षण को सशक्त किया जा सके।